Media Coordinator's Office Jamia Millia Islamia

October 28, 2016

Press Release

Sustainable intensification in agriculture is the need of the hour: Prof Deepak Pental at JMI

Prof Deepak Pental, eminent scientist and former Vice Chancellor, University of Delhi today called for more public funding in science and technology for pioneering research especially in the field of agriculture.

Speaking on "Controversies around genetically modified crops" under the aegis of the 96th Foundation Day celebrations at Jamia Millia Islamia he summed up the history of major scientific revolutions that transformed society saying that "no society could prosper without science and technology".

Supporting the need for genetically modified crops given that by 2050 India's population will be 1.6 billion, Prof. Pental flagged the need for "sustainable intensification in agriculture". He said that "low input in terms of money and resources and high output must be an important goal in agriculture" to feed the rising population.

Prof. Pental said that people should trust GM crops as a lot of research and money is put into them to ensure that they are safe for consumption. He also underscored that it was time the country worried about why we don't use degradable plastic and solar energy.

Asking why we only question multinationals when it comes to agriculture and chose to remain silent when it comes to telecommunication, Boeings and other industrial sectors, Prof Pental said we have to work sensibly and realistically to address key challenges that our society is faced with while pressing for more public funding in science and technology for pioneering research especially in the field of agriculture.

Former MP Rajya Sabha and Editor-in-Chief of weekly *Nai Duniya*, Mr. Shahid Siddqui while addressing students on 'changing trends in media in the 21st century', flagged the need for media literacy.

Substantiating the key technological transformations that have changed media right from the invention of the Printing Press to the coming of the social media, he said that "the 21st century was a celebration of media power". However, he cautioned that social media must be used with restraint as millions of Facebook and twitter accounts are being used by interested parties to influence public opinion.

Mr. Siddiqui speaking at Jamia Millia Islamia on Day 2 of Talimi Mela 2016 said that "it was not necessary for media to be unbiased but to be objective" and in today's day and age when

media have become a big business it was impossible to think of media to work in an unbiased manner.

He exhorted the students to stay a step ahead given that they were studying in a university that has the finest Mass Communication institution in the country. Hailing the Talimi Mela as "a landmark cultural event of not just the university but of the city of Delhi", he said that it gave to the people a sense of our history, tradition and culture besides beckoning them to the Urdu language.

He lamented the "ban" of Pakistani actors in India and said that it was through "our films that we have won over their society and impacted them in many ways".

Vice Chancellor, Prof Talat Ahmad and Mr. Siddiqui also released two newsletters brought out by Sarojini Naidu Centre for Women's Studies-- *Expressions* and *Gender Concerns on Campus*.

Outside on the grounds of Talimi Mela, students and visitors thronged the various stalls enjoying the displays and the cultural events as part of the 96th Foundation day celebration of the university from October, 27-29.

Prof. Saima Saeed Hony. Deputy Media Coordinator, JMI # 9891227771 प्रेस विज्ञप्ति

जामिया के "तालीमी मेला" के रंगारंग कार्यक्रम के दूसरे दिन भारी भीड़ उमड़ी

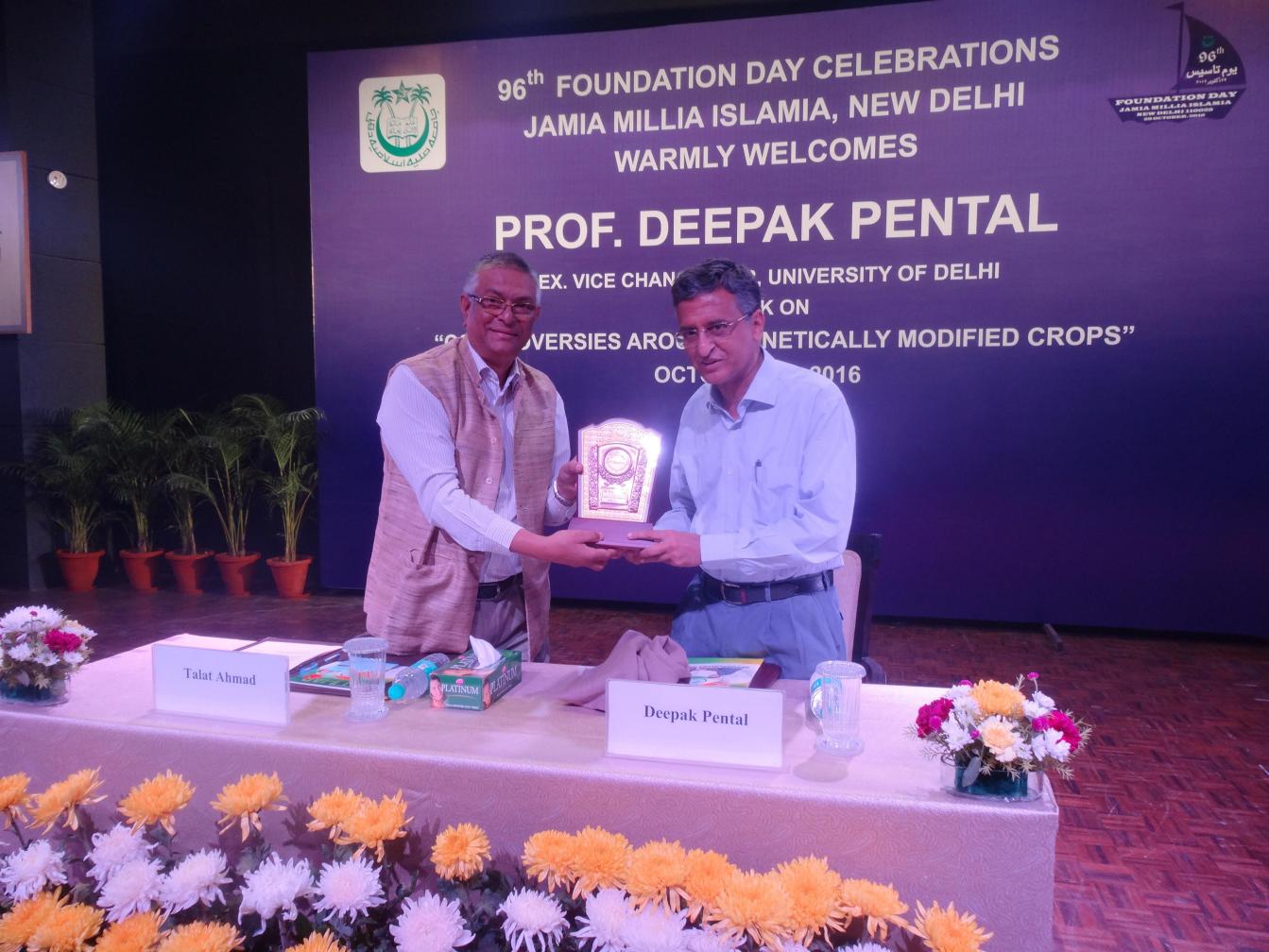
आज दिनांक 28.10.2016 को जामिया मिल्लिया इस्लामिया के 96वें स्थापना दिवस समारोह के दूसरे दिन "कंट्रोवर्सिज अराउंड जेनेटिकली मोडिफाइड क्रॉप्स" विषय पर दिए गए व्याख्यान में प्रो. दीपक पेंटल, पूर्व कुलपित दिल्ली विश्वविद्यालय ने कहा कि "बीसवीं सदी के इतिहास को देखें तो बहुत कुछ बदला हुआ है। मोलाक्यूलर बॉयोलॉजी जैसी उपलब्धियों ने दुनिया को बदल दिया है। ह्यूमन इंसुलिन के कारण बहुत बड़ा बदलाव आया है।" उन्होंने संकेत किया कि 1900 ई. में पूरे विश्व की जितनी आबादी थी, 2050 ई. में उतनी केवल भारत की आबादी होने की संभावना है। ऐसी स्थिति में जेनेटिक मोडिफिकेशन और क्रॉप्स की तरफ़ ज़्यादा ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि "वी नीड सस्टेनेबल इंटेसीफिकेशन ऑफ एग्रीकल्वर" तकनीक द्वारा आर्थिक और प्राकृतिक संसाधनों का कम इस्तेमाल करके ज़्यादा उत्पादन लिया जाना हमारा लक्ष्य होना चाहिए। उन्होंने आभार व्यक्त करते हुए खुशी ज़ाहिर की कि प्रो. तलत अहमद ने उन्हें जामिया में बुलाया और साथ ही उन्होंने प्रो. तलत अहमद के साथ अपने संबंधों की चर्चा की।

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के कुलपति, प्रो. तलत अहमद ने कहा कि जब वह दिल्ली विश्वविद्यालय के भू—गर्भ विज्ञान विभाग के अध्यक्ष थे, उस समय प्रो. दीपक पेंटल दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति थे। आज प्रो. दीपक पेंटल के जामिया आने पर उन्हें हार्दिक प्रसन्नता हुई।

आज के दिन का दूसरा आकर्षण श्री शाहिद सिद्दिकी, पत्रकार एवं पूर्व राज्यसभा सांसद द्वारा "चेंजिंग ट्रेंड्स इन मीडिया इन द 21 सेंचुरी" पर दिया गया व्याख्यान था। श्री शाहिद सिद्दिकी ने "तालीमी मेला" की तारीफ करते हुए कहा कि वह बचपन से जामिया के "तालीमी मेला" के बारे में जानते हैं। वह बल्लीमारान से "तालीमी मेला" देखने आते थे। "तालीमी मेला" सिर्फ़ जामिया का ही मेला नहीं है, बल्कि ये पूरी दिल्ली का एक कल्चरल इवेंट है। यह मेला हमें संस्कृति, परंपरा और उर्दू से भी जोड़ता है। मीडिया के बदलते हुए हालात की चर्चा करते हुए उन्होंने मीडिया में आए बड़े तकनीकी बदलावों पर प्रकाश डाला और कहा कि "21वीं सदी पावर ऑफ मीडिया को सेलिब्रेट करती है, हमें एक कदम आगे रहना होगा और जामिया के लिए यह मुश्किल नहीं है। जामिया ने देश का सर्वोत्तम मॉस कम्युनिकेशन तैयार किया है। आपके वाइस चांसलर के पास आउट ऑफ बॉक्स सोच है। उनके पास आइडिया हैं और वे लोगों से जुड़े हुए हैं।" लोगों की मीडिया के प्रति समझ पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि वह नहीं मानते कि मीडिया को न्यूट्रल होने की ज़रूरत है बल्कि वह मानते हैं कि मीडिया को ऑब्जेक्टिव होने की ज़रूरत है। उन्होंने टर्की के सोशल मीडिया की ऑब्जेक्टिविटी के संबंध में यह कहा कि आज मीडिया लिटरेसी की ज़रूरत है तािक लोग मीडिया के पूर्वाग्रह को देख और समझ सकें।

इस अवसर पर कुलपित और श्री शाहिद सिद्दिकी द्वारा सरोजिनी नायडू महिला अध्ययन केन्द्र के न्यूज़लेटर 'एक्सप्रेशन' 'जेंडर कंसेंसस एंड कैम्पस' और हिंदी विभाग द्वारा 'जामिया समाचार' न्यूज़लेटर का भी लोकार्पण किया गया।

प्रो. साइमा सईद मानद उप मीडिया समन्वयक





96th FOUNDATION DAY CELEBRATIONS JAMIA MILLIA ISLAMIA, NEW DELHI WARMLY WELCOMES



PROF. DEEPAK PENTAL

EX. VICE CHA

VERSITY OF DELHI

"CONTROVERSIES AF

ICALLY MODIFIED CROPS"

3, 2016



